डा० गिरजा उराँव
एसोसिएट प्रो०
R.M.C. सासाराम

बी० ए० पार्ट- III Hons
सत्र- 2019-20
विषय- PSY paper V

Classmate
Date ______
Page ______

सर्वेक्षण के प्रकार :- सर्वेक्षण के अनेक प्रकार होते हैं। यह सभी प्रकार के सामाजिक मनोविज्ञान के लिए बहुत अधिक उपयोगी हैं - (1) जनसंख्यात्मक सर्वेक्षण, (2) सामाजिक पर्यावरण संबंधी सर्वेक्षण (3) सामाजिक क्रियाओं से संबंधित सर्वेक्षण, (4) आर्थिक स्तर संबन्धी सर्वेक्षण, (5) पुनरावृत्ति सर्वेक्षण, (6) सहकारी सर्वेक्षण (7) व्याख्यात्मक सर्वेक्षण (8) उन्नत सर्वेक्षण (Trend Survey)।

सर्वेक्षण अनुसंधान के चरण

1. अनुसंधान समस्या को निश्चित और स्पष्ट रूप देना :— इसके अन्तर्गत समस्या के उद्देश्यों का निर्माण किया जाता है। समस्या अध्ययन के लिए साधन और यंत्रों का चयन किया जाता है, जैसे - प्रश्नावली, अनुसूचि, डाक प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि, कुछ प्रमुख यंत्र है जिनकी सहायता से सर्वेक्षण अनुसंधानों में आंकड़ों का संकलन किया जाता है।

2. प्रतिचयन योजना :- सर्वेक्षण अनुसंधान में प्रतिचयन योजना बनाते समय सम्पूर्ण जनसंख्या को सर्वप्रथम सीमाबद्ध किया जाता है उसके बाद प्रतिचयन की व्याख्या की जाती है।

3. अनुसूची की रचना (Construction of Schedule)

सर्वेक्षण अनुसंधान में आँकड़ों का संकलन अनुसूची की सहायता से किया जाता है। अनुसूची एक प्रकार की प्रश्नावली है। यह अनुसूची साक्षात्कार अनुसूची भी हो सकती है और डाक अनुसूची भी हो सकती है।

4. आँकड़ों का संकलन :- आँकड़ों का संकलन करते समय इस प्रकार के अनुसंधान में अध्ययनकर्ता क्षेत्र-अध्ययन करता है। यह अध्ययन फील्ड कर्मचारी द्वारा किये जाते हैं। वह उत्तरदाताओं से सम्पर्क करते हैं, उनसे सूची भरवाते हैं। आँकड़ों का संकलन पूर्व योजनानुसार क्रमबद्ध रूप से किया जाता है।

5. आँकड़ों का विश्लेषण :- प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण करने के लिए आवश्यकतानुसार coding की जाती है, सारणीयन किया जाता है और अन्तर्वस्तु विश्लेषण (content Analysis) किया जाता है।

6. रिपोर्ट प्रस्तुत करना :- आँकड़ों के विश्लेषण के बाद जो तथ्य प्राप्त होते हैं उनकी व्याख्या की जाती है और उनकी एक रिपोर्ट तैयार की जाती है।

Scanned with CamScanner